RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 02 जनवरी 2023 वर्ष 05 अंक 250 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदारी निभाने में नाकाम
महाराष्ट्र में बढ़े क्राइम!

सुप्रिया सुले ने बोला हमला...

बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने आलोचना करते हुए कहा कि, ''उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गृह मंत्री की जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह विफल रहे हैं. जब से वह गृह मंत्री बने हैं, महाराष्ट्र में अपराध बढ़ गया है.'' महाराष्ट्र पुलिस में लगातार तबादले हो रहे हैं. उन्हें पारदर्शिता से काम करने की इजाजत नहीं है. 15 दिन पहले केंद्र सरकार ने नया अपराध बिल पेश किया, जिसमें फोन टैपिंग को मंजूरी दी गई है. सुले ने यह भी दावा किया कि गृह मंत्रालय पूरी तरह विफल हो गया है.

अंबेडकर परिवार के योगदान को किया याद

सुप्रिया सुले ने कहा, अंबेडकर परिवार ने कई वर्षों तक महाराष्ट्र और देश के सामाजिक कार्यों में बहुत योगदान दिया है. वंचित बहुजन अघाड़ी प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने भी अच्छा काम किया है. संविधान और देश को बचाने के लिए प्रकाश अंबेडकर की जरूरत है. उन्हें नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करना चाहिए. मेरा मानना है कि भारतीय मोर्चे पर भी उनकी बड़ी भूमिका रहने वाली है.ह्न सुप्रिया सुले ने बताया कि हम सभी ने संविधान और देश की प्रगति के लिए एक साथ आने का फैसला किया है.

सीट शेयरिंग पर कही ये बात

लोकसभा चुनाव के लिए महाविकास अघाड़ी का फॉर्मूला तय हो चुका है, बस उस पर मुहर लगनी बाकी है. यह फॉर्मूला कई महीने पहले दिल्ली में तय हुआ था. सुले ने यह भी बताया कि महाविकास अघाड़ी जल्द ही सीट आवंटन को लेकर फैसला लेगी. मैं एक छोटी कार्यकर्ता हूं. सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि मैं फिलहाल जनसेवा और लोकसभा में भागीदारी से जुड़ी हूं.

दूसरे राज्यों में ले जाई जा रही परियोजनाएं

महाराष्ट्र में परियोजनाएं दूसरे राज्यों में स्थानांतरित की जा रही हैं. निवेश नहीं हो रहा है. यह महाराष्ट्र के साथ अन्याय है. महाराष्ट्र की ट्रिपल इंजन सरकार इस पर चुप है.

चुनाव होना चाहिए पारदर्शी...

सुले ने कहा, 2024 में दुनिया भर के कई देशों में चुनाव होंगे. हमारे देश में चुनाव पारदर्शी और बिना किसी दमन के होने चाहिए. यह साल सामाजिक और राजनीतिक तौर पर बेहद अहम साल है. अगर विदेशों में ईवीएम को लेकर संदेह जताया जा रहा है तो पीएम नरेंद्र मोदी को सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर बात करनी चाहिए. वह सिर्फ बीजेपी के ही नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री भी हैं. सुले ने ईवीएम को लेकर कहा, नकल करके पास होने की तुलना में पढ़ाई करके पास होना हमेशा बेहतर होता है.

मुंबई समेत 8 जगहों पर डीएनए टेस्टिंग लैब शुरू है- उपमुख्यमंत्री

मुंबई : उपमुख्यमंत्री तथा गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला निदेशालय के पास अप्रैल 2023 से डीएनए किट्स उपलब्ध न होने के शिवसेना (उद्धव) के सांसद संजय राऊत के आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया है। सोमवार को उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राऊत के आरोप तथ्यहीन हैं। राज्य में मुंबई समेत 8 जगहों पर डीएनए टेस्टिंग लैब की सुविधा है। इन 8 लैब में डीएनए किट भी उपलब्ध है। फडणवीस ने कहा कि डीएनए किट्स और उसके लिए लगने वाले केमिकल्स का एक्सपायरी पर डेट होता है। इससे उसको लंबे समय तक भंडारण करके नहीं रखा जा सकता है। इसलिए आवश्यकता और मांग के अनुसार केमिकल्स की खरीदी नियमित रूप से निर्धारित दर पर की जाती है। फडणवीस ने बताया कि डीएनए टेस्टिंग लैब में सभी प्राथमिकता वाले और संवेदनशील मामलों की रिपोर्ट नियमित रूप से जारी होती है। बीते दिसंबर में मुंबई के लैब में 80, नागपुर में 63, छत्रपति संभाजीनगर में 25, नांदेड़ में 75, अमरावती में 25, कोल्हापुर में 11 और पुणे में 7 प्रकरण की डीएनए रिपोर्ट प्रदान कर दी गई है।

फडणवीस ने बताया कि गत वर्ष बुलढाणा में हुई हादसे में 25 यात्रियों की जलकर मौत हो गई थी। जिसमें अमरावती और नागपुर के लैब में 82 नमूनों डीएनए जांच रिपोर्ट 74 घंटों में दी गई थी। नागपुर के एक्सप्लोसिव कंपनी में गत 17 दिसंबर को हुए हादसे में 9 मजदूरों की मौत हुई थी। जिसमें 105 नमूनों की डीएनए रिपोर्ट तत्काल दी गई थी। इस तरह की दूसरी घटनाओं में तत्काल डीएनए रिपोर्ट दी गई है।

माहिम में कोली समुदाय ने ट्रैफिक सिग्नल की मांग को लेकर माहिम कॉजवे पर रास्ता रोखो आंदोलन किया...

माहिम : कोली समुदाय के आंदोलनकारियों ने माहिम कॉजवे पर मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों को हटाने में नाकाम रहने के कारण माहिम से लेकर हाजी अली तक सड़कें जाम हो गई हैं । कोली समुदाय माहिम पुलिस से नाराजगी व्यक्त कि उनकी डिमांड सिग्नल चालू करने पर वरिष्ट इंस्पेक्टर विफल थे और उनकी सुनवाई नही की जहा रही थी या कारण सड़क रोखो आंदोलन करना पड़ा. रास्ता रोको आदोलन के बाद माहिम पुलिस थाने के गेराव किया आनन फानन में माहिम पुलिस थाने के वरिष्ट पुलिस निरक्षक सिविल ड्रेस में पहुँचे उनके साथ ट्रैफिक पुलिस के इंसेक्टर भी थे आन्दोलनकारियो को आश्वाशन दिया गया जल्द ट्रेफिकक सिंगल शुरू करेंगे।

एएनसी ने माहिम से 50 लाख मूल्य की एमडी ड्रग्स के साथ एक संदिग्ध को पकड़ा...

साल के आखिरी दिन मुंबई शहर के कई हिस्सों में पार्टियां आयोजित की जाती हैं। कुछ पार्टियों में होती है ड्रग्स की डिमांड; इसलिए, शहर में ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मुंबई एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की एक टीम तैनात की गई है। एएनसी ने शनिवार रात माहिम इलाके से 50 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया है.

संदिग्ध को पकड़ने वाले ऑपरेशनका विवरण

एएनसी की वर्ली यूनिट से मिली जानकारी के मुताबिक यूनिट प्रभारी संदीप काले, एपीआई मंगेश भांगे और उनकी टीम शनिवार को गश्त कर रही थी. गश्त करते हुए जब यह टीम माहिम के पास पहुंची तो वहां रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पास फुटपाथ पर एक व्यक्ति खड़ा था, जिसकी शारीरिक भाषा कुछ संदिग्ध लग रही थी. चूंकि व्यक्ति संदिग्ध था, इसलिए एएनसी अधिकारियों ने वहां गाड़ी रोकी और उस व्यक्ति की तलाशी ली, तो उसके पास से एक प्लास्टिक बैग में सफेद रंग का पाउडर मिला। यह पाउडर एमडी ड्रग्स था,

जिसके चलते पुलिस ने शख्स को हिरासत में लिया और एएनसी के वर्ली ऑफिस ले आई।

पूछताछ करने पर उसने अपना नाम बेनेडिक्ट फ्रांसिस गॉडगिफ्ट साइप्रियन उर्फ डिंकू (37) बताया। जैसे ही उसके पास एमडी ड्रग्स होने की पुष्टि हुई, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी डिंकू के पास से जब्त पाउडर का एक छोटा सा सैंपल एक पैकेट से लिया गया और बचे हुए पाउडर को दूसरे पैकेट में रखकर सील कर दिया गया.

आगे की जांच जारी है

एएनसी ने डिंकू के पास से कुल 250 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया है, जिसकी कीमत 50 लाख रुपये बताई जा रही है. डिंकू कृष्णा अपार्टमेंट, प्रगति नगर, नालासोपारा (पूर्व) में रहता है। पुलिस डिंकू का पिछला रिकॉर्ड खंगाल रही है, साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि डिंकू को ये एमडी ड्रग्स कहां से मिली. रविवार को एएनसी ने डिंकू को कोर्ट में पेश किया जहां कोर्ट ने उसे 3 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया. आरोपी के वकील यूसुफ अंसारी का कहना है कि डिंकू के पास से बरामद ड्रग्स कमर्शियल मात्रा में नहीं है. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि डिंकू एमडी ड्रग्स किसे पहुंचाने वाला था.

संपादकीय / लेख

संपत्तियों का सही इस्तेमाल...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इमारतों की किफायत में सुशासन की टोह लेती सुक्खू सरकार ने शिमला के छह कार्यालयों को टूटीकंडी कॉम्पलेक्स में शिफ्ट कर दिया। ये कार्यालय किराए के भवनों में चल रहे थे। पूरे प्रदेश में सरकारी कार्यालयों के नीचे दबी जमीन या निजी भूमि में बसे कार्यालयों की जमीर में कुछ तो किफायत हो। दरअसल हिमाचल में सरकारी इमारतों की अपनी होड़ बेपरवाह और लापरवाह है और इसलिए बजट की मुद्रा में अनावश्यक विस्तार ने अपना मूल्यांकन ही नहीं किया। एक नीति के तहत अगर तेजी से खुलते कार्यालय निजी निवेश की संस्तुति में परवान चढ़ते, तो भी सरकार पैसा बचाने के साथ-साथ रोजगार दे सकती थी। हिमाचल में सरकारी कार्यालयों ने अपनी हेकड़ी में खजाने का दुरुपयोग ही किया और यह भी इसलिए कि हर विभाग अब निर्माण की मशीनरी है। इससे सार्वजनिक भूमि का दुरुपयोग और अधिकारियों के निरंकुश इरादों से धन को व्यर्थ किया जाने लगा है। ऐसे में समूचे प्रदेश की संपत्तियों का डाटा बनाकर इनके सही इस्तेमाल, रखरखाव व विस्तार का सांचा बनाया जाए, तो अनावश्यक खर्च से बचा जा सकता है। इसके लिए पब्लिक एस्टेट डिवेलपमेंट अथारिटी का गठन करते हुए इसके तहत विभागीय संपत्तियों को एक ही एजेंसी के प्रबंधन में लाना चाहिए। सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण के अंतगर्त सरकारी कार्यालयों को स्थान तथा कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था का दारोमदार रहेगा, तो एक बड़ी धनराशि के तहत सार्वजनिक संपत्तियों का निर्माण, रखरखाव तथा भविष्य की योजनाओं का श्रीगणेश होगा, वरना हर विभाग अपने दफ्तरों की चमक और साहबों की कोठियों में लगभग हर वर्ष धन का अपव्यय कर रहा है।

इतना ही नहीं अब समय आ गया है जब सरकार को कुछ शहरों को कलस्टर के रूप में देखते हुए किसी मध्य स्थल पर कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं ताकि नए कार्यालयों को उपयुक्त भवन तथा कर्मचारियों को आवास मिल सकें। ये कर्मचारी नगर सरकारी धन से नहीं, अपितु निजी निवेश से आगे बढ़ाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए भविष्य में सोलन-शिमला के बीच वाकनाघाट या धर्मशाला-पालमपुर के बीच चामुंडा के आसपास निजी निवेश से कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो ये सरकारी धन की बचत तथा नए रोजगार के साधन उत्पन्न करेंगे। ये कर्मचारी नगरों में भविष्य के दफ्तर तथा वर्तमान में कर्मचारियों की आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ शैक्षणिक, चिकित्सा संस्थानों के अलावा आधुनिक बाजारों के जरिए नए व्यापार व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, दूसरी ओर सार्वजनिक धन की बचत भी होगी। कर्मचारियों को ग्रामीण स्तर तक आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए युवा बेरोजगारों को एक योजना के साथ जोड़ा जा सकता है। सरकार की गारंटी के तहत बेरोजगारों को कर्मचारियों को आवास तथा विभागीय भवनों के निर्माण में प्रेरित करके उन्हें एक नियमित आमदनी दे कर भी प्रदेश बचत कर सकता है। भविष्य की रूपरेखा में हिमाचल का प्रशासनिक ढांचा भी बदलाव चाहता है। बहुत पहले से अगर मत्स्य विभाग का निदेशालय बिलासपुर से, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड हमीरपुर या स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला से चल सकते हैं, तो इस दिशा में शिमला से कुछ अन्य कार्यालय भी स्थानांतरित किए जा सकते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

घायल हर्षद के पिता के पास पहुंचते ही उसकी हो गई मौत!

एसटी कॉर्पोरेशन ने ट्रक मालिक की गैरजिम्मेदारी को उजागर किया

पालघर: शिरडी-पालघर में एक डंपर बस की चपेट में आने से मौके पर ही मर गए 11 महीने के आदित्य गावटे के पांच वर्षीय बड़े भाई हर्षद गावटे अपने पिता के पास पहुंचे। मुंबई के केईएम अस्पताल में भर्ती डॉ. जिनका कल रात निधन हो गया। मृतक के परिवार के सदस्यों का कहना है कि अस्पताल में गंभीर हालत में हर्षल को उचित इलाज नहीं मिला और न ही एसटी निगम के प्रतिनिधि और न ही डंपर मालिक घायल को देखने या उसकी मदद करने पहुंचे।

30 दिसंबर की दोपहर खनिज पदार्थ ले जा रहे खाली डंपर की एसटी बस से भिड़ंत में 11 माह के आदित्य की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद गंभीर हालत में उसके भाई को पहले दहानू के वेदांता अस्पताल भेजा गया. हालांकि, तबीयत बिगड़ने पर उन्हें शनिवार रात केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जब हर्षद के परिजनों ने बताया कि उनके मरीज को उचित चिकित्सा दी जा रही है, तो इस संबंध में जानकारी स्थानीय जन प्रतिनिधियों और एसटी निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गयी. इलाज के दौरान परिवार के पास दवा लाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे. उनके परिवार ने लोकसभा को बताया कि उन्हें अंबु बैग के जरिए ऑक्सीजन दी जा रही है. इस बीच, घायल हनुमंत गावटे जावर झाप (चिंच वाडी) में बच्चे का अंतिम संस्कार करने के बाद रविवार देर शाम केईएम अस्पताल में अपने बड़े बेटे से मिलने गए। लेकिन इसी बीच रात करीब 930 बजे हर्षद की मौत हो गई. काम की तलाश में अपने परिवार के साथ पालघर आये गावटे परिवार ने अपने दोनों बच्चों को खो दिया है, गावटे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. बताया गया है कि दहानू के वेदांता अस्पताल में तीन अन्य गंभीर रोगियों को आगे के इलाज के लिए वापी के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

मृत्यु के बाद एसटी सहायता

इलाज के लिए दवा लाने के लिए पैसे की जरूरत पड़ने पर 24 घंटे बाद भी एसटी निगम का कोई प्रतिनिधि केईएम अस्पताल नहीं पहुंच सका. हर्षद की मौत के बाद पराल कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने परिवार से मुलाकात की और शव को घर ले जाने के लिए पैसे मुहैया कराये, ऐसा परिवार ने कहा. डंपर का मालिक कौन था और दुर्घटना के समय उसकी सेवा में कौन काम कर रहा था, इस बारे में अलग-अलग राय है। पुलिस ने पहले कहा कि डंपर पहले एक सत्ताधारी गुट के प्रभावशाली नेता के ठेके पर काम करता था.

रख-रखाव के अभाव में नहर सूखी

खोपोली: खालापुर तालुक के कुछ क्षेत्रों में, पातालगंगा उप-सिंचाई नहर कृषि के लिए 15 दिसंबर तक पानी छोड़ रही है, लेकिन मजगांव, अंबिवली, वराद, पौध और क्षेत्र के कई आदिवासी वाड़ियों को पानी की आपूर्ति करने वाली नहरें 2017 से सूख गई हैं। हर साल जन प्रतिनिधि आश्वासन देते हैं कि नहर की मरम्मत होते ही पानी छोड़ दिया जाएगा, लेकिन छह-सात साल से सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने से किसान नाराजगी जता रहे हैं।

पातालगंगा नदी पर बनी नहर खराब हो गयी है. जगह-जगह लीकेज के कारण कुछ इलाकों में नहर का पानी नहीं पहुंच पाता है। क्षेत्र में सैकड़ों हेक्टेयर में चावल की खेती होती है। अधिकांश किसान धान व सब्जी की खेती करते हैं, लेकिन नहर का पानी निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने के कारण ग्रीष्मकालीन धान की खेती नहीं हो पाती है. साथ ही फलों और सब्जियों की खेती में भी दिक्कतें आ रही हैं. नहरों की खराबी के कारण कई क्षेत्रों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता है। इसके कारण देखा जा रहा है कि क्षेत्र के किसानों ने भी धान की खेती से मुंह मोड़ लिया है.

2017 में धान की खेती के लिए नहर से पानी छोड़ा गया था, लेकिन वह अंजाम तक नहीं पहुंच पायेगा. जब तक नहर की मरम्मत नहीं होगी, पानी छोड़े जाने पर भी अंतिम गांवों की खेती को पानी मिलेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है.

इसरो ने नए साल पर एक्सपो सैटेलाइट की लांच,

आखिर इस अंतरिक्ष मिशन से क्या मिलेगा

मुंबई: इसरो ने अंतरिक्ष में एक बार फिर नया इतिहास रचा। इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। इस सैटेलाइट के लॉन्च से भारत को अंतरिक्ष की कई अहम जानकारियां मिलने वाली हैं। इस मिशन की खासियत ये है कि ढङ्क सैटेलाइट से इसरो अंतरिक्ष से आने वाले एक्स-रे स्त्रोत का पता लगा सकेगा। ये एक्स रे किस आकाशीय पिंड से आ रही है, इसके बारे में भी जानकारी मिलेगी। इसी के साथ 'ब्लैक होल' की रहस्यमयी दुनिया का अध्ययन करने में मदद करेगा। वहीं, न्यूट्रॉन सितारे (तारे में विस्फोट के बाद के बचे हिस्से), आकाशगंगा में मौजूद नाभिक को समझने में मदद मिलेगी।

एक्स रे रहस्यों का पता लगाने के साथ ब्लैक होल की जानकारी इकट्ठा करने के लिए इसरो ने एक्सपो सैटेलाइट को लॉन्च किया है। यह मिशन पांच साल का होगा। इससे पहले अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ये काम कर चुकी है। दिसंबर 2021 में नासा ने ये अध्ययन किया था। इस मिशन के बाद अब भारत की अंतरिक्ष में ताकत भी बढ़ जाएगी।

18 और 19 जनवरी को मुंबई में मध महोत्सव

मुंबई: शहद उद्योग का दायरा बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और मधुमक्खी पालन के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए देश में पहली बार शहद महोत्सव का आयोजन किया गया है. यह महोत्सव 18 और 19 जनवरी को यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा और महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे करेंगे। देश में पहला शहद निदेशालय 1946 में महाबलेश्वर में स्थापित किया गया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने शहद निदेशालय भी शुरू किया.

कीर्तन महोत्सव के लिए मलंगगढ़ क्षेत्र में विशेष पार्किंग स्थल की व्यवस्था

कल्याण : अंबरनाथ तालुका के श्री मलंगगढ़ क्षेत्र के उसले-नरहेन में 2 जनवरी से 9 जनवरी तक राज्य स्तरीय कीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया है। मलंगगढ़ और तलोजा क्षेत्रों में विशेष पार्किंग सुविधाएं बनाई गई हैं क्योंकि राज्य के विभिन्न हिस्सों से कीर्तनकार और मंडली यहां आएंगे। पुलिस की ओर से अपील की गई है कि इन प्रस्तावित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन पार्क किए जाएं. नरहेन में एक कीर्तन सभा मण्डप है। प्रत्येक कीर्तनकार, वारकरी और वाहन चालक को इस बात का ध्यान रखना होता है कि कोई भी वाहन इस

सभा भवन तक न आये। 2 जनवरी से 9 जनवरी तक कीर्तनकारों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से कीर्तन सभा मंडप की ओर जाने वाली सड़क वाहनों के लिए पूरी तरह से बंद रहेगी. सभा मंडप तक पहुंचने के लिए वारकरी रोपवे से चलें।

2 जनवरी को दिंडी मलंगवाडी से सभा मंडपाराय आएंगी. इसलिए इस दिन यह सड़क सभी प्रकार के वाहनों के लिए बंद रहेगी. कल्याण, भिवंडी, वाडा, अंबरनाथ, बदलापुर, टिटवाला, कर्जत, नेरल, मुरबाड, शाहपुर क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को अपने वाहनों को नेवाली नाका, मलंगवाड़ी रोड पर जोशी निवास में पार्किंग स्थल नंबर पांच पर पार्क करना चाहिए। मुंबई, ठाणे, वसई, विरार, पालघर, दहानू, डाइघर, मुंब्रा, कलवा, कटाई, शिलफट क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को अपने वाहन साईं अमृत होटल के पीछे और उसातने पुलिस चौकी के पास पार्किंग स्थल नंबर दो पर पार्क करना चाहिए।

बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले ट्रक चालक को २० साल की जेल

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले की एक अदालत ने सात साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी पाए गए ट्रक चालक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. यह मामला पांच साल पुराना है. वसई के जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस वी खोंगल ने शनिवार को अपने आदेश में दोषी ट्रक चालक (38) पर 5,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया. विशेष लोक अभियोजक जयप्रकाश पाटिल ने अदालत को बताया कि ट्रक चालक और बच्ची का परिवार वसई में पड़ोसी थे. पाटिल ने अदालत को बताया कि ट्रक चालक 13 मई, 2018 को टीवी दिखाने के बहाने बच्ची और उसके भाई को अपने घर लाया. इसके बाद उसने उसके भाई को बाहर भेज दिया और लड़की का यौन उत्पीड़न किया.

न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने ट्रक चालक के खिलाफ सभी आरोपों को सफलतापूर्वक साबित कर दिया है और उसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया है. अदालत ने ट्रक चालक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ ही यह भी कहा कि बच्ची के परिवार को इस दौरान बहुत कष्ट सहना पड़ा.

सिडको पर जब्ती की कार्रवाई?

नवी मुंबई: जुलाई 2023 में वाघिवली में 152 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के लिए मुंडाडा परिवार को 722 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा देने के अलीबाग कोर्ट के फैसले को सिडको ने खूब सराहा है। पांच महीने पहले अलीबाग कोर्ट के फैसले को सिडको द्वारा लागू नहीं करने से अलीबाग कोर्ट में दायर एक याचिका के कारण सिडको के खिलाफ जब्ती की कार्रवाई का संकट आ गया है। मुंडाडा परिवार की इस अर्जी पर कल (1) को अलीबाग कोर्ट में सिडको के खिलाफ जब्ती वारंट पर सुनवाई होगी. चूंकि सिडको के कानूनी विभाग ने 8 नवंबर, 2023 को अलीबाग अदालत द्वारा जारी किए गए गार्निशी नोटिस पर टिप्पणी करने की जहमत नहीं उठाई, इसलिए अब

सिडको को अदालत द्वारा जब्ती की कार्रवाई करने का आदेश दिए जाने की उम्मीद है। अंततः, अधीक्षक, सिविल कोर्ट, वरिष्ठ स्तर, अलीबाग ने 8 नवंबर को सिडको प्रबंधन को एक गार्निशी नोटिस जारी किया और उन्हें बढ़ी हुई मुआवजा राशि की वसूली के लिए 20 दिसंबर 2023 को व्यक्तिगत रूप से या एक नामित वकील के माध्यम से अलीबाग कोर्ट में पेश होने के लिए कहा। अलीबाग कोर्ट ने दी मंजूरी. तदनुसार, सिडको की ओर से पेश हुए वकील पुष्कर मोकल और योगेन्द्र पेंडसे ने सिडको का बयान पेश करने के लिए समय मांगा।

विधि विभाग की उदासीनता

20 दिसंबर को, यदि उक्कडड के वकीलों ने अलीबाग अदालत के समक्ष लिखित रूप से उल्लेख किया होता कि सिडको ने मुंडाडा के वाघीवली भूमि अधिग्रहण मामले में फैसले को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, तो उक्कडड का पक्ष प्रबल हो सकता था। हालाँकि, यह सवाल उठाया गया है कि सिडको का कानूनी विभाग इस मामले को अदालत के संज्ञान में न लाकर किसका हित साधना चाहता था।

पुरस्कार को रद्द करने के लिए सिडको उच्च न्यायालय चला गया

वाघिवली भूमि अधिग्रहण में कई त्रुटियां हैं और भूमि अधिग्रहण के समय यह जमीन सरकार के कब्जे में थी। इसलिए, कोंकण संभागीय आयुक्त ने डेढ़ साल पहले राज्य सरकार और सिडको को बेलापुर में पारसिक पहाड़ी पर मुंडाडा परिवार को सिडको द्वारा आवंटित 53,200 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्रफल वाले तीन भूखंडों को जब्त करने की सिफारिश की थी। इस अवधि के दौरान, जुलाई 2023 में, अलीबाग अदालत ने फैसला किया कि सिडको को वाघिवली भूमि संदर्भ मामले में भूमि धारक को 722 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा देना चाहिए।

नए साल के पहले दिन मुंबई नासिक हाईवे पर भीषण हादसा हो गया

ठाणे: मुंबई नासिक हाईवे पर पंचपक्खड़ी इलाके में ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे खड़े एक टेंपो से जा टकराई. इस टक्कर में पांच यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उनमें से दो की हालत गंभीर है. घायलों की पहचान फैयाज शेख (51), विकास कुमार (21), शिवशंकर विक्रम आदित्य (33), संतोष कुमार (24) और प्रदीप प्रसाद (25) के रूप में की गई है। संतोष और विकास की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए मुंबई के शिव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का इलाज ठाणे जिला सरकारी अस्पताल में चल रहा है। सोमवार सुबह एक टाटा सूमो मोटर मुंबई नासिक हाईवे से ठाणे की ओर जा रही थी। कार फैयाज चला रहा था. बाकी लोग उसके साथ यात्रा कर रहे थे। सुबह करीब 7 बजे जब कार पचपक्खड़ी इलाके में पहुंची तो कार का पिछला पहिया पंक्चर हो गया और फैयाज ने वाहन से नियंत्रण खो दिया. तो उनकी कार सड़क पर ईंटों से भरे एक टेंपो से टकरा गई. हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पिचक गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम, ठाणे नगर निगम की फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. उन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और घायलों का इलाज चल रहा है.

ठाणे के बाद क्लस्टर के कारण मीरा-भायंदर की भी बदल जाएगी सूरत?

मीरा-भायंदर : राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे के बाद मीरा-भायंदर शहर के लिए समूह विकास (क्लस्टर) योजना को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक और अवैध निमार्णों के पुनर्विकास के लिए इस तरह से क्लस्टर विकास मार्ग अपनाने वाले मीरा-भाईंदर ठाणे के बाद अगले दो शहर होंगे। यहां के नगर निगम ने इस योजना को 24 जगहों पर लागू करने की योजना तय की है. शहर के पुराने आवासीय परिसरों और स्लम इलाकों में इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. पहले चरण में इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर सात स्थानों पर लागू किया जाएगा। इस योजना से मीरा-भायंदर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर

पुनर्विकास शुरू होने की संभावना है। इसलिए मुंबई के उपनगर कहे जाने वाले दो शहरों की सूरत बदल सकेगी.

मीरा-भाईंदर में समूह विकास योजना की क्या आवश्यकता है?

पिछले पांच दशकों में मीरारोड और भयंदर में बड़ी संख्या में अवैध इमारतें बनी हैं। कई इमारतों द्वारा कारपेट एरिया इंडेक्स (एफएसआई) के अत्यधिक उपयोग के कारण इसका पुनर्विकास रुका हुआ है। कई इमारतें खतरनाक स्थिति में होने के बाद भी निवासी उन्हें खाली करने से इनकार कर रहे हैं। इसलिए मांग की गई कि भवन के पुनर्निर्माण की राह आसान करने के लिए इस योजना को क्रियान्वित किया जाए। राज्य सरकार द्वारा घोषित नए यूनिफॉर्म डेवलपमेंट कंट्रोल रेगुलेशन (यूनिफॉर्म डीसीआर) में इस योजना को मंजूरी मिलने से रुके हुए पुनर्विकास को मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 के संक्रमितों की संख्या २९ हुई

मुंबई: नए वर्ष का जश्न मानकर घर लौटने वाले किसी व्यक्ति को बीमार और बुजुर्ग व्यक्ति के सीधे संपर्क में नहीं आना चाहिए। आगामी 5 दिनों तक घर में अगर सभी लोग मास्क पहनें, तो सही होगा क्योंकि बाहर से आए लोगों से घर में संक्रमण फैलने का जोखिम ज्यादा होता है। खासकर बीमार व बुजुर्गों में कोविड का वायरस ज्यादा तेजी से हावी हो सकता है। अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है। यह बात टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. रमण गंगाखेडेकर ने कही है। उन्होंने सुझाव दिया कि सावधानी बरतते हुए ऐसे लोगों को मास्क पहनना चाहिए।

31 दिसंबर और नए वर्ष का जश्न मनाने के लिए मुंबई से बड़े पैमाने पर लोग शिमला, मनाली, गोवा सहित अन्य राज्यों में घूमने जा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कोविड भी अपना पांव पसार रहा है। एनबीटी से बातचीत में पूर्व इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के निदेशक रहे डॉ. गंगाखेडेकर ने बताया कि कोविड से डरने की आवश्कता नहीं है। कोविड से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। अस्पतालों में बेड्स, उपचार के लिए दवाइयां और डॉक्टर भी उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य यंत्रणा तैयार है। उन्होंने कहा कि जेएन.1 ओमिक्रॉन वायरस का नया सब वेरिएंट है। यह वेरिएंट तेजी से फैलता है। इस वायरस से सबसे ज्यादा जोखिम बुजुर्गों और बीमार लोगों को है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। यह वायरस उच्च जोखिम वालों के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्कता पड़ सकती है। इसलिए मेरी लोगों से अपील है कि जो भी लोग अन्य राज्यों से या भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों से छुट्टी मनाकर लौट रहे हैं, वे घर में बुजुर्गों और बीमार लोगों के सीधे संपर्क में न आएं। वरना वे संक्रमित हुए तो उनसे दूसरों में भी संक्रमण फेल सकता है। कम से कम 5 दिनों तक घर में मास्क पहनें। 'इच्छा है तो ले सकते हैं वैक्सीन' डॉ. गंगाखेडकर ने बताया कि बूस्टर डोज को लेकर निर्णय टास्क फोर्स की बैठक में होगा, लेकिन मेरी निजी राय यह है कि पुराने वैक्सीन जो बने थे, वह ओमिक्रॉन वायरस से लड़ने में उतने कारगर नहीं हैं। हालांकि अब वैक्सीन आ गई है जो ओमिक्रॉन पर भी असरदार है।

कल्याण, डोंबिवली में 90 ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई...
शराब के नशे में दुपहिया वाहन, मोटर कार चला रहे थे

कल्याण: पिछले दो दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने कल्याण और डोंबिवली शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 90 ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई की है. नये साल के उत्साह में कई वाहन चालक शराब पीकर गाड़ी चला रहे हैं और पुलिस ने शहर में विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है. यह कार्रवाई उसी वक्त की गई. नशे में धुत ड्राइवरों की सबसे ज्यादा संख्या कल्याण पश्चिम में पाई गई। डोंबिवली में 20 और कल्याण कोलसेवाड़ी इलाके में 26 शराबी पाए गए। इन सभी पर मोटर वाहन अधिनियम, भारतीय दंड संहिता के तहत जुमार्ना लगाया गया है। एक यातायात अधिकारी ने

बताया कि कुछ वाहन चालकों को हिरासत में लेकर अदालत में लाया गया है और दंडात्मक कार्रवाई की गयी है. डोंबिवली ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय अफले, कोलसेवाड़ी ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन संदभोर और कल्याण ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गिरीश बाने के नेतृत्व में एक टीम ने यह कार्रवाई की।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 02 जनवरी 2023

विरार में पतंगबाजी के दौरान छत से गिरकर 13 साल के लड़के की मौत

वसईः पतंग उड़ाते समय छत से गिरकर 13 साल के लड़के की मौत हो गई. लड़के का नाम कार्तिक सुभाष रेवाले (13) है। हादसा विरार पूर्व के साईनाथ नगर इलाके में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे हुआ. कुछ ही दिनों में मकर संक्रांति आने के साथ ही बच्चों और युवाओं ने अभी से पतंग उड़ाना शुरू कर दिया है. विरार पूर्व के साईनाथ नगर में साई वैष्णवी अपार्टमेंट में रहने वाला लड़का कार्तिक रेवाले (13) शुक्रवार शाम करीब 5 बजे इमारत की छत पर पतंग उड़ा रहा था।

आदिवासी श्रमिकों का उत्पीड़न

वसईः पालघर जिले के भिवंडी चिंबीपाड़ा में एक ईंट व्यवसायी द्वारा आदिवासी स्पिनर श्रमिकों को परेशान करने का मामला सामने आया है. श्रमजीवी संस्था ने इस मामले को उजागर किया है और 11 नागरिकों को इससे बचाया है. भिवंडी तालुका के चिंबिपाड़ा इलाके के एक ईंट व्यापारी ने अपने ईंट भट्ठे पर काम करने के लिए पालघर जिले के दहानू, जव्हार, शिलोट्टारा वाडा से मजदूरों को बुलाया था। लेकिन काम करने आये आदिवासियों द्वारा मजदूरों को परेशान कर काम कराया जा रहा था.

नए साल में राज्य में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाएं पटरी पर हैं...

मुंबई : राज्य में तीन बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं विरार-अलीबाग मल्टी-पर्पज कॉरिडोर, जालना-नांदेड़ समृद्धि मार्ग (विस्तारित कॉरिडोर) और पुणे रिंग रोड (पुणे रिंग रोड) नए साल में लॉन्च की जाएंगी। इन तीन परियोजनाओं के निर्माण के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) को 26 चरणों में प्राप्त 28 निविदाओं में से 18 निविदाएं योग्य हो गई हैं। तदनुसार, दस दिनों के भीतर वित्तीय निविदाएं जारी की जाएंगी। एमएसआरडीसी मार्च-अप्रैल में कॉन्ट्रैक्ट देने और इस प्रोजेक्ट का काम शुरू करने की योजना बना रही है।

10 हजार से अधिक आंगनवाड़ी सेविकाएं 3 जनवरी से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना पर

मुंबई : महाराष्ट्र में आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले एक महीने से हड़ताल पर हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर ध्यान देने की बजाय घाती सरकार नजरअंदाज कर रही है। इससे आहत होकर अब आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं आर-पार के मूड में हैं। उन्होंने पैष्ठसला किया है कि जब तक मुख्यमंत्री आकर उनसे बात नहीं करते हैं और हमारी मांगों पर संज्ञान नहीं लेते हैं, तब तक हम हड़ताल वापस नहीं लेंगे। इस बीच हम पर सरकार चाहे गोलियां चलाए अथवा लाठियां भांजे, फिर भी पीछे नहीं हटेंगे।इस हड़ताल को और विकराल करने के लिए १० हजार से अधिक आंगनवाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने तीन जनवरी से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना देने जा रही हैं। यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी कृति समिति के महासचिव बृजपाल सिंह ने दी है।

उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं चार दिसंबर से हड़ताल पर हैं। इसके चलते तीन से छह साल तक के बच्चों को भोजन और शिक्षा मिलने में दिक्कत आ रही है। इससे कुछ हद तक राहत पाने के लिए बीच में जिप के शिक्षकों और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों से आंगनवाड़ी केंद्रों पर ध्यान देने की अपील की गई थी। दूसरी तरफ एकीकृत बाल विकास योजना आयुक्त रूबल अग्रवाल ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को अपने अधिकार में लेने का सर्वुष्ठलर जारी कर दिया है। इसके तहत आशा सेविका, पुलिस पाटील, मध्या' भोजन कर्मचारियों को शिक्षा और भोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, आंगनवाड़ी कर्मचारियों ने केंद्रों को सौंपने पर विरोध जताया है। वहीं इस हड़ताल से ग्रामीण, आदिवासी और शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलना बंद हो गया। २८ दिन बाद भी घाती सरकार ने आंगनवाड़ी सेविकाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमन शुरू कर दिया है। संगठन के महासचिव बृजपाल सिंह ने बताया कि ज्ञानज्योती सावित्रीबाई पुष्ठले की जयंती पर हजारों आंगनवाड़ी सेविकाएं आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के तहत लगभग १ लाख आंगनवाड़ी केंद्रों में दो लाख आंगनवाड़ी सेविकाएं काम कर रही हैं। इनमें से लगभग ९७ परियोजनाएं आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। आंगनवाड़ी सेविकाओं की स्थिति वैधानिक है और उन्हें संविधान के अनुच्छेद ४७ में निहित कर्तव्यों को पूरा

मामूली झगड़े को लेकर चचेरे चाचा ने की भतीजे की हत्या...

आरोपी ने पहले की थी अपनी पत्नी की हत्या

दहानूः तलासरी तालुका में बेटे, भतीजे और भतीजी के बीच हुए मामूली विवाद में चचेरे भाई द्वारा भतीजे की हत्या करने की चौंकाने वाली घटना घटी है. तलासरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है. मुख्य आरोपी पहले भी अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में जेल की सजा काट चुका है और यह बात सामने आई है कि उसने जानबूझकर अपनी भतीजी की हत्या की थी. तलसारी तालुका के जरी फोंडा पाड़ा के 30 वर्षीय देवराम राघ्या जावलिया, जो अपने पिता के साथ मुंबई में मछली पकड़ने वाली नाव पर काम करते हैं, कुछ दिनों के लिए अपने घर आए थे। इस बीच, चचेरा भाई शनिवार दोपहर 3 बजे अपने बेटों प्रदीप खरपड़े 31 और विकास खरपड़े 23 साल के साथ घर से बाहर गया और रात 8 बजे घर लौटा। इसके बाद देवराम की गाड़ी तेज चलाने की बात पर तीनों के बीच बहस हो गई. इसी दौरान प्रदीप पिता चंदू खरपड़े 53 ने पीछे से आकर देवराम की गर्दन पर चाकू से वार कर दिया।इस पर चिल्लाने के बाद इलाके के लोगों ने घायलों को तलासरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने देवराम को मृत घोषित कर दिया.

नायर के बाद शिव और कूपर में विशेष बच्चों के लिए पुनर्वास केंद्र?

मुंबईः नायर अस्पताल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक 'प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र' शुरू किया गया। इसके बाद मुंबई नगर निगम ने मुंबई में दो और केंद्र शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की है। तदनुसार, जगह ढूंढने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और नगर निगम पूर्वी उपनगरों में शिव और पश्चिमी उपनगरों में कूपर अस्पताल में ये केंद्र शुरू करने का इरादा रखता है। विशेष बच्चों का इलाज और पुनर्वास एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए विशेष बच्चों के माता-पिता को कड़ी मेहनत करनी होगी। इसलिए विशेष

आवश्यकता वाले इन बच्चों को अद्यतन उपचार तक आसान पहुंच होनी चाहिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में एक ही छत के नीचे उनका एकीकृत पुनर्वास प्रदान करने के उद्देश्य से नायर अस्पताल में प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया। उस समय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई नगर निगम को मुंबई में ऐसे दो और आधुनिक केंद्र शुरू करने का निर्देश दिया था। इस सुझाव पर तुरंत अमल करते हुए मुंबई नगर निगम ने इस सेंटर के लिए जगह की तलाश शुरू कर दी है. पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में इस केंद्र के लिए जगह खोजने के प्रयास युद्ध स्तर पर हैं।

वसई में लोकल ट्रेनों में लावारिस बैग को लेकर दहशत

बम होने की अफवाह उड़ी...

वसईः विरार से चर्चगेट जाने वाली लोकल ट्रेन में एक लावारिस बैग मिलने से बम होने की अफवाह फैल गई. जांच के बाद यह बात अफवाह साबित हुई. यह बैग एक यात्री का था. लेकिन इससे एक ही डर था. रविवार शाम करीब 7 बजे विरार से चर्चगेट जा रही लोकल ट्रेन के महिला डिब्बे में एक लावारिस बैग मिला. बैग में बम होने की अफवाह से हड़कंप मच गया। इसलिए ट्रेन को वसई रोड रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. बम स्क्वायड को बुलाया गया और बैग की तलाशी ली गयी. इस समय इलाके को खाली करा लिया गया और भारी सुरक्षा तैनात की गई. लेकिन बैग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. रेलवे पुलिस ने बताया कि यह बैग ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री का था और इसमें उसका सामान था. करीब साढ़े सात बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

संपत्ति विवाद के चलते भाई के पत्नी की हत्या कर भाई पर भी किया हमला

मलाड : मलाड इलाके में बीमार भाई के साथ पत्नी की हत्या कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। हमले में 35 वर्षीय महिला चित्रा ड्रेसन डिसा की मौत हो गई, जबकि डेमियन मार्कोस डिसा घायल हो गए। डेमियन का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस ने बताया कि उसकी हालत गंभीर है. इस मामले में बांगुरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति ड्रेसन मार्कोस डिसा की तलाश शुरू कर दी है.

डेमियन अपने परिवार के साथ एवरशाइन, पद्मनगर, मलाड इलाके में रहता था। डेमियन की दोनों किडनी खराब हो गई हैं और उनका इलाज चल रहा है। ड्रैसन ने अपनी दवा का भुगतान करने के लिए अपनी संपत्ति बेचने का फैसला किया था। डेमियन के साथ-साथ ड्रेसन की पत्नी चित्रा ने भी उनका विरोध किया था। शुक्रवार को इन तीनों के बीच विवाद हो गया। इस बहस के दौरान ड्रेसिन ने डेमियन के साथ मिलकर मिट्टी के फूल के बर्तन से तस्वीर के सिर पर बेरहमी से वार किया।

वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये. इसी दौरान स्थानीय लोग दौड़ पड़े और घायलों को कांदिवली के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने चित्रा को मृत घोषित कर दिया। डेमियन की हालत गंभीर है और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनकी हालत गंभीर है और उनका इलाज गहन चिकित्सा इकाई में किया जा रहा है. पुलिस ने डेमियन की पत्नी का बयान दर्ज कर लिया है और पुलिस ड्रेसन की तलाश कर रही है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com